कार्यशाला आयोजित

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रो. कानन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतियोगियों को संबोधित किया। संयोजन सैय्यद आरिफ अली द्वारा किया गया।

ओपन स्रोत सॉफ्टवेयर कार्यशाला आयोजित

चित्तौड़गढ़, (प्रातःकाल संवाददाता)। मेवाड़ विश्वविद्यालय में साइलेब ओपन स्त्रोत सॉफ्टवेयर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन आई. आई. टी. बॉम्बे के सहयोग से इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा किया गया। यह कार्यशाला आई.आई.टी. बॉम्बे द्वारा संस्थानो मे निःशुल्क ओपन स्त्रोत सॉफ्टवेयर को बढ़ावा देने के लिए की गयी। कार्यशाला में कुल 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया जो मुख्यतः इंजिनियरिंग, विज्ञान, स्थिति विज्ञान एवं मनोविज्ञान क्षेत्र से थे। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र मे प्रो. कानन मुदघालय राष्ट्रीय संयोजक, साइलेब प्रोजेक्ट, आई.आई.टी. बॉम्बे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने उद्बोधन मे बताया कि साइलेब महंगे मेटलेब का एक अच्छा विकल्प है। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को साइलेब सॉफ्टवेयर की उपयोगिता बताते हुए इसे उपयोग मे लाने के लिए प्रेरित किया।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में साइलेब ओपन स्त्रोत सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला

भास्कर संवाददाता |गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय में साइलेब ओपन स्त्रोत सॉफ्टवेयर पर एक दिवसीय कार्यशाला आईआईटी बॉम्बे के सहयोग से इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संकाय द्वारा किया गया। कार्यशाला ओपन स्त्रोत सॉफ्टवेयर को बढ़ावा देने के लिए हुई। जिसमें 44 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जो मुख्यत इंजिनीरिंग, विज्ञान, स्थिति विज्ञान एवं मनोविज्ञान क्षेत्र से थे। उद्घाटन सत्र में प्रोजेक्ट के राष्ट्रीय संयोजक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बताया कि साइलेब महंगे मेटलैब का एक अच्छा विकल्प है। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को इसकी उपयोगिता बताई। स्पोकन वीडियो ट्यूटोरियल से प्रतिभागियों ने सॉफ्टवेयर के बारे में प्रायोगिक जानकारी प्राप्त की।